SHIKSHA SAMVAD
International Journal of Multidisciplinary Research
ISSN: 2584-0983 (Online)
© Shiksha Samvad|Volume-03| Issue-04| June- 2026
Available online at: https://shikshasamvad.com/
DOI:- https://doi.org/10.64880/shikshasamvad.v3i4.11

सीतापुर जनपद के स्नातक स्तर के पुरुष एवं महिला विद्यार्थियों में जनसंख्या शिक्षा, पर्यावरण शिक्षा तथा नैतिक मूल्यों के प्रति जागरूकता का तुलनात्मक अध्ययन

डॉ० अनिल कुमार[1] एवं विश्वराज सिंह[2]

[1]शोध निर्देशक, एसोसिएट प्रोफेसर, शिक्षा संकाय, जे.एस. विश्वविद्यालय, शिकोहाबाद (फिरोजाबाद), उत्तर प्रदेश

[2]शोधार्थी, शिक्षा संकाय, जे.एस. विश्वविद्यालय, शिकोहाबाद (फिरोजाबाद), उत्तर प्रदेश

E-mail: singhvishwaraj2012@gmail.com

सारांश

प्रस्तुत अध्ययन का उद्देश्य सीतापुर जनपद के स्नातक स्तर के पुरुष एवं महिला विद्यार्थियों में जनसंख्या शिक्षा, पर्यावरण शिक्षा तथा नैतिक मूल्यों के प्रति जागरूकता का तुलनात्मक अध्ययन करना था। अध्ययन में वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया। अध्ययन की जनसंख्या में सीतापुर जनपद के विभिन्न महाविद्यालयों में अध्ययनरत स्नातक स्तर के विद्यार्थी सम्मिलित थे। नमूना चयन हेतु यादृच्छिक नमूनाकरण विधि का उपयोग किया गया, जिसके अंतर्गत कुल 400 विद्यार्थियों का चयन किया गया, जिनमें 200 पुरुष एवं 200 महिला विद्यार्थी शामिल थे। आँकड़ों के संकलन के लिए शोधकर्ता द्वारा निर्मित स्वनिर्मित प्रश्नावली का प्रयोग किया गया। संकलित आँकड़ों के विश्लेषण हेतु माध्य, मानक विचलन तथा t-परीक्षण का उपयोग किया गया। अध्ययन के निष्कर्षों से ज्ञात हुआ कि जनसंख्या शिक्षा, पर्यावरण शिक्षा तथा नैतिक मूल्यों के प्रति जागरूकता के स्तर पर पुरुष एवं महिला विद्यार्थियों के मध्य सार्थक अंतर विद्यमान है। जनसंख्या शिक्षा के प्रति जागरूकता में महिला विद्यार्थियों का माध्यमान (74.63) पुरुष विद्यार्थियों (72.45) से अधिक पाया गया तथा प्राप्त t-मूल्य (2.41) सांख्यिकीय रूप से सार्थक था। पर्यावरण शिक्षा के प्रति जागरूकता में भी महिला विद्यार्थियों का माध्यमान (78.46) पुरुष विद्यार्थियों (75.84) से अधिक पाया गया तथा t-मूल्य (3.18) सार्थक था। इसी प्रकार नैतिक मूल्यों के प्रति जागरूकता में महिला विद्यार्थियों का माध्यमान (78.67) पुरुष विद्यार्थियों (76.28) से अधिक पाया गया तथा t-मूल्य (2.87) सार्थक प्राप्त हुआ। अध्ययन से निष्कर्ष निकला कि महिला विद्यार्थियों में जनसंख्या शिक्षा, पर्यावरण शिक्षा तथा नैतिक मूल्यों के प्रति जागरूकता का स्तर पुरुष विद्यार्थियों की अपेक्षा अधिक है।

मुख्य शब्द: जनसंख्या शिक्षा, पर्यावरण शिक्षा, नैतिक मूल्य, जागरूकता, पुरुष विद्यार्थी, महिला विद्यार्थी, स्नातक स्तर, सीतापुर जनपद।

1. प्रस्तावना

शिक्षा मानव जीवन के सर्वांगीण विकास का आधार है। यह केवल ज्ञान प्रदान करने का माध्यम नहीं है, बल्कि व्यक्ति के विचारों, मूल्यों, व्यवहारों तथा सामाजिक उत्तरदायित्वों के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। वर्तमान समय में तीव्र जनसंख्या वृद्धि, पर्यावरणीय असंतुलन तथा नैतिक मूल्यों में गिरावट जैसी समस्याएँ विश्व स्तर पर चिंता का विषय बनी हुई हैं। इन चुनौतियों का प्रभाव समाज के प्रत्येक वर्ग पर पड़ रहा है, इसलिए शिक्षा के

माध्यम से विद्यार्थियों में इन विषयों के प्रति जागरूकता विकसित करना अत्यंत आवश्यक हो गया है। जनसंख्या शिक्षा, पर्यावरण शिक्षा तथा नैतिक मूल्य शिक्षा ऐसे महत्वपूर्ण क्षेत्र हैं जो विद्यार्थियों को जिम्मेदार, संवेदनशील तथा जागरूक नागरिक बनने में सहायता प्रदान करते हैं।

जनसंख्या शिक्षा का संबंध जनसंख्या की वृद्धि, उसके प्रभावों तथा जनसंख्या से संबंधित सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक समस्याओं के ज्ञान से है। भारत विश्व के सर्वाधिक जनसंख्या वाले देशों में से एक है, जहाँ जनसंख्या वृद्धि के कारण संसाधनों पर दबाव, बेरोजगारी, गरीबी, स्वास्थ्य संबंधी समस्याएँ तथा जीवन स्तर में गिरावट जैसी अनेक चुनौतियाँ उत्पन्न हो रही हैं। ऐसी स्थिति में विद्यार्थियों को जनसंख्या से संबंधित तथ्यों एवं समस्याओं की जानकारी प्रदान करना आवश्यक है, जिससे वे जनसंख्या नियंत्रण एवं परिवार कल्याण के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित कर सकें। जनसंख्या शिक्षा विद्यार्थियों को जिम्मेदार नागरिक बनने तथा जनसंख्या संबंधी समस्याओं के समाधान में योगदान देने के लिए प्रेरित करती है।

इसी प्रकार पर्यावरण शिक्षा वर्तमान समय की एक महत्वपूर्ण आवश्यकता बन चुकी है। औद्योगीकरण, शहरीकरण, वनों की कटाई, प्रदूषण तथा प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन के कारण पर्यावरणीय संकट लगातार बढ़ रहा है। जलवायु परिवर्तन, वैश्विक तापन, जल संकट तथा जैव विविधता में कमी जैसी समस्याएँ मानव अस्तित्व के लिए गंभीर चुनौती प्रस्तुत कर रही हैं। इन समस्याओं के समाधान के लिए केवल नीतियाँ बनाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि नागरिकों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता और उत्तरदायित्व की भावना विकसित करना भी आवश्यक है। पर्यावरण शिक्षा विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण, संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग तथा सतत विकास की अवधारणा को समझने में सहायता प्रदान करती है। इसके माध्यम से विद्यार्थियों में प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता तथा पर्यावरणीय उत्तरदायित्व की भावना विकसित होती है।

नैतिक मूल्य किसी भी समाज की सांस्कृतिक एवं सामाजिक संरचना के आधार स्तंभ होते हैं। सत्यनिष्ठा, ईमानदारी, अनुशासन, सहयोग, सहिष्णुता, करुणा तथा सामाजिक उत्तरदायित्व जैसे नैतिक मूल्य व्यक्ति के चरित्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। आधुनिक युग में भौतिकवाद, प्रतिस्पर्धा तथा तकनीकी विकास के कारण नैतिक मूल्यों में ह्रास की स्थिति देखी जा रही है। ऐसे समय में शिक्षा संस्थानों की जिम्मेदारी बढ़ जाती है कि वे विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों का विकास करें। नैतिक मूल्य न केवल व्यक्तिगत जीवन को सुदृढ़ बनाते हैं, बल्कि सामाजिक समरसता एवं राष्ट्रीय विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। इसलिए विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों के प्रति जागरूकता का अध्ययन अत्यंत प्रासंगिक है।

स्नातक स्तर के विद्यार्थी समाज के ऐसे वर्ग का प्रतिनिधित्व करते हैं जो भविष्य में विभिन्न क्षेत्रों में नेतृत्वकारी भूमिका निभाने वाले हैं। इस स्तर पर विकसित होने वाली जागरूकता एवं मूल्यबोध उनके व्यक्तिगत, सामाजिक एवं व्यावसायिक जीवन को प्रभावित करते हैं। पुरुष एवं महिला विद्यार्थियों की सामाजिक पृष्ठभूमि, अनुभवों, अवसरों तथा दृष्टिकोणों में भिन्नता होने के कारण उनकी जागरूकता के स्तर में भी अंतर पाया जा सकता है। अतः यह जानना आवश्यक है कि जनसंख्या शिक्षा, पर्यावरण शिक्षा तथा नैतिक मूल्यों के प्रति पुरुष एवं महिला विद्यार्थियों की जागरूकता में किस प्रकार की समानताएँ अथवा भिन्नताएँ विद्यमान हैं।

सीतापुर जनपद उत्तर प्रदेश का एक महत्वपूर्ण जनपद है, जहाँ ग्रामीण एवं शहरी दोनों प्रकार की सामाजिक एवं शैक्षिक परिस्थितियाँ देखने को मिलती हैं। यहाँ के महाविद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि विविधतापूर्ण है। ऐसी परिस्थितियों में जनसंख्या शिक्षा, पर्यावरण शिक्षा तथा नैतिक मूल्यों के प्रति उनकी जागरूकता का अध्ययन स्थानीय एवं शैक्षिक दृष्टि से महत्वपूर्ण हो जाता है। प्रस्तुत अध्ययन सीतापुर जनपद के स्नातक स्तर के पुरुष एवं महिला विद्यार्थियों में इन तीनों आयामों के प्रति जागरूकता का तुलनात्मक विश्लेषण करने का प्रयास करता है। अध्ययन से प्राप्त निष्कर्ष शिक्षा नीति निर्माताओं, शिक्षकों तथा शोधकर्ताओं को विद्यार्थियों में जागरूकता एवं मूल्य विकास से संबंधित कार्यक्रमों के निर्माण एवं क्रियान्वयन में उपयोगी दिशा प्रदान कर सकते हैं।

1.1 समस्या कथन

वर्तमान समय में जनसंख्या वृद्धि, पर्यावरणीय संकट तथा नैतिक मूल्यों में गिरावट जैसी समस्याएँ समाज के समक्ष गंभीर चुनौतियाँ प्रस्तुत कर रही हैं। इन समस्याओं के समाधान हेतु विद्यार्थियों में जनसंख्या शिक्षा, पर्यावरण शिक्षा तथा नैतिक मूल्यों के प्रति पर्याप्त जागरूकता का होना आवश्यक है। स्नातक स्तर के विद्यार्थी भविष्य के जागरूक नागरिक एवं राष्ट्रनिर्माता होते हैं, इसलिए उनके जागरूकता स्तर का अध्ययन महत्वपूर्ण है। पुरुष एवं महिला विद्यार्थियों की सामाजिक एवं शैक्षिक पृष्ठभूमि में भिन्नता होने के कारण उनकी जागरूकता में अंतर संभव है। इसी संदर्भ में प्रस्तुत अध्ययन सीतापुर जनपद के स्नातक स्तर के पुरुष एवं महिला विद्यार्थियों में जनसंख्या शिक्षा, पर्यावरण शिक्षा तथा नैतिक मूल्यों के प्रति जागरूकता का तुलनात्मक अध्ययन करने पर केंद्रित है।

1.2 अध्ययन का महत्व

प्रस्तुत अध्ययन सीतापुर जनपद के स्नातक स्तर के पुरुष एवं महिला विद्यार्थियों में जनसंख्या शिक्षा, पर्यावरण शिक्षा तथा नैतिक मूल्यों के प्रति जागरूकता का तुलनात्मक अध्ययन करने पर आधारित है। वर्तमान समय में बढ़ती जनसंख्या, पर्यावरणीय चुनौतियाँ तथा नैतिक मूल्यों में हो रहे परिवर्तन समाज और राष्ट्र के समक्ष महत्वपूर्ण मुद्दे हैं। ऐसे में विद्यार्थियों की जागरूकता का आकलन करना अत्यंत आवश्यक है। यह अध्ययन पुरुष एवं महिला विद्यार्थियों के मध्य जागरूकता के स्तर में विद्यमान समानताओं एवं भिन्नताओं को स्पष्ट करेगा। अध्ययन से प्राप्त निष्कर्ष शिक्षकों, शिक्षाविदों, पाठ्यक्रम निर्माताओं तथा नीति-निर्धारकों को जनसंख्या शिक्षा, पर्यावरण शिक्षा एवं मूल्य शिक्षा से संबंधित प्रभावी शैक्षिक कार्यक्रमों के निर्माण में सहायता प्रदान करेंगे। यह अध्ययन विद्यार्थियों में सामाजिक उत्तरदायित्व, पर्यावरण संरक्षण तथा नैतिक आचरण के विकास हेतु आवश्यक शैक्षिक हस्तक्षेपों की पहचान करने में भी सहायक होगा।

2. साहित्य समीक्षा

शिक्षा के क्षेत्र में जनसंख्या शिक्षा, पर्यावरण शिक्षा तथा नैतिक मूल्यों के प्रति जागरूकता को विद्यार्थियों के समग्र विकास का महत्वपूर्ण आधार माना गया है। विभिन्न शोधकर्ताओं ने पुरुष एवं महिला विद्यार्थियों के मध्य इन आयामों की जागरूकता एवं दृष्टिकोण का अध्ययन किया है।

शर्मा (2018) ने महाविद्यालयी विद्यार्थियों में पर्यावरणीय जागरूकता का अध्ययन किया। अध्ययन में पाया गया कि महिला विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति संवेदनशीलता पुरुष विद्यार्थियों की अपेक्षा अधिक थी। शोधकर्ता ने निष्कर्ष निकाला कि पर्यावरणीय समस्याओं के प्रति जागरूकता विकसित करने में शिक्षा महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

सिंह एवं यादव (2019) ने स्नातक स्तर के विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों का तुलनात्मक अध्ययन किया। अध्ययन में यह पाया गया कि महिला विद्यार्थियों में ईमानदारी, सहयोग, सहिष्णुता एवं सामाजिक उत्तरदायित्व जैसे नैतिक मूल्यों का स्तर पुरुष विद्यार्थियों की तुलना में अधिक था। शोधकर्ताओं ने नैतिक शिक्षा को व्यक्तित्व विकास का आधार माना।

कुमार (2020) ने जनसंख्या शिक्षा के प्रति विद्यार्थियों की जागरूकता का अध्ययन किया। अध्ययन से ज्ञात हुआ कि उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में जनसंख्या वृद्धि, परिवार नियोजन तथा संसाधनों के संतुलित उपयोग के प्रति पर्याप्त जागरूकता थी। महिला विद्यार्थियों में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संबंधी विषयों के प्रति अधिक जागरूकता पाई गई।

वर्मा और मिश्रा (2020) ने पुरुष एवं महिला विद्यार्थियों की पर्यावरणीय चेतना का अध्ययन किया। अध्ययन में पाया गया कि महिला विद्यार्थियों का पर्यावरण संरक्षण के प्रति दृष्टिकोण अधिक सकारात्मक था, जबकि पुरुष विद्यार्थियों में पर्यावरणीय ज्ञान का स्तर अपेक्षाकृत अधिक पाया गया। अध्ययन ने पर्यावरण शिक्षा को व्यवहार परिवर्तन का प्रभावी माध्यम बताया।

गुप्ता (2021) ने महाविद्यालयी विद्यार्थियों के नैतिक मूल्यों एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य संबंध का अध्ययन किया। अध्ययन के निष्कर्षों से ज्ञात हुआ कि उच्च नैतिक मूल्यों वाले विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि भी बेहतर थी। महिला विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों का औसत स्तर पुरुष विद्यार्थियों से अधिक पाया गया।

रानी (2021) ने स्नातक विद्यार्थियों में जनसंख्या शिक्षा के प्रति जागरूकता का अध्ययन किया। अध्ययन में पाया गया कि अधिकांश विद्यार्थी जनसंख्या वृद्धि के दुष्प्रभावों से परिचित थे, किन्तु महिला विद्यार्थियों में जनसंख्या नियंत्रण एवं परिवार कल्याण कार्यक्रमों के प्रति अधिक सकारात्मक दृष्टिकोण पाया गया।

अहमद और खान (2022) ने पर्यावरण शिक्षा एवं विद्यार्थियों के पर्यावरणीय व्यवहार का अध्ययन किया। शोध में पाया गया कि पर्यावरण शिक्षा का विद्यार्थियों के व्यवहार पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। महिला विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण गतिविधियों में सहभागिता पुरुष विद्यार्थियों की अपेक्षा अधिक पाई गई।

तिवारी (2022) ने नैतिक मूल्यों के प्रति विद्यार्थियों की जागरूकता का अध्ययन किया। अध्ययन से ज्ञात हुआ कि शिक्षा संस्थानों में मूल्य शिक्षा संबंधी गतिविधियाँ विद्यार्थियों के नैतिक विकास में सहायक होती हैं। महिला विद्यार्थियों में अनुशासन एवं सामाजिक संवेदनशीलता का स्तर अपेक्षाकृत अधिक पाया गया।

शुक्ला और पाण्डेय (2023) ने स्नातक स्तर के विद्यार्थियों में जनसंख्या शिक्षा एवं पर्यावरण शिक्षा के प्रति जागरूकता का तुलनात्मक अध्ययन किया। अध्ययन में पाया गया कि दोनों विषयों के प्रति विद्यार्थियों में मध्यम से उच्च स्तर की जागरूकता थी। महिला विद्यार्थियों ने पर्यावरणीय मुद्दों पर अधिक सकारात्मक प्रतिक्रिया व्यक्त की।

मौर्य (2024) ने उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों एवं सामाजिक उत्तरदायित्व का अध्ययन किया। अध्ययन में यह निष्कर्ष प्राप्त हुआ कि नैतिक मूल्य सामाजिक व्यवहार को सकारात्मक दिशा प्रदान करते हैं तथा महिला विद्यार्थियों में सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना अधिक विकसित होती है।

उपरोक्त अध्ययनों के अवलोकन से स्पष्ट होता है कि जनसंख्या शिक्षा, पर्यावरण शिक्षा तथा नैतिक मूल्यों के प्रति जागरूकता विद्यार्थियों के व्यक्तित्व एवं सामाजिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। अधिकांश अध्ययनों में महिला विद्यार्थियों को पर्यावरणीय जागरूकता एवं नैतिक मूल्यों के संदर्भ में पुरुष विद्यार्थियों की तुलना में अधिक जागरूक पाया गया है। वहीं जनसंख्या शिक्षा के क्षेत्र में भी महिला विद्यार्थियों की जागरूकता अपेक्षाकृत अधिक पाई गई है। तथापि सीतापुर जनपद के स्नातक स्तर के पुरुष एवं महिला विद्यार्थियों में जनसंख्या शिक्षा, पर्यावरण शिक्षा तथा नैतिक मूल्यों के प्रति जागरूकता का संयुक्त एवं तुलनात्मक अध्ययन उपलब्ध नहीं है। यही शोध-अंतर प्रस्तुत अध्ययन की आवश्यकता एवं औचित्य को स्पष्ट करता है।

2.1 अध्ययन के उद्देश्य

1. सीतापुर जनपद के स्नातक स्तर के पुरुष एवं महिला विद्यार्थियों में जनसंख्या शिक्षा के प्रति जागरूकता का अध्ययन करना।
2. सीतापुर जनपद के स्नातक स्तर के पुरुष एवं महिला विद्यार्थियों में पर्यावरण शिक्षा के प्रति जागरूकता का अध्ययन करना।
3. सीतापुर जनपद के स्नातक स्तर के पुरुष एवं महिला विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों के प्रति जागरूकता का अध्ययन करना।

2.2 परिकल्पनाएँ

1. सीतापुर जनपद के स्नातक स्तर के पुरुष एवं महिला विद्यार्थियों की जनसंख्या शिक्षा के प्रति जागरूकता में कोई सार्थक अंतर नहीं है।
2. सीतापुर जनपद के स्नातक स्तर के पुरुष एवं महिला विद्यार्थियों की पर्यावरण शिक्षा के प्रति जागरूकता में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

3. सीतापुर जनपद के स्नातक स्तर के पुरुष एवं महिला विद्यार्थियों की नैतिक मूल्यों के प्रति जागरूकता में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

3. शोध विधि

प्रस्तुत अध्ययन में वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है, जिसका उद्देश्य सीतापुर जनपद के स्नातक स्तर के पुरुष एवं महिला विद्यार्थियों में जनसंख्या शिक्षा, पर्यावरण शिक्षा तथा नैतिक मूल्यों के प्रति जागरूकता का तुलनात्मक अध्ययन करना है। अध्ययन क्षेत्र के रूप में उत्तर प्रदेश के सीतापुर जनपद का चयन किया गया। अध्ययन की जनसंख्या में सीतापुर जनपद के विभिन्न महाविद्यालयों में अध्ययनरत स्नातक स्तर के पुरुष एवं महिला विद्यार्थी सम्मिलित थे। नमूना चयन हेतु यादृच्छिक नमूनाकरण विधि का प्रयोग किया गया, जिसके अंतर्गत कुल 400 विद्यार्थियों का चयन किया गया, जिनमें 200 पुरुष एवं 200 महिला विद्यार्थी सम्मिलित थे। आँकड़ों के संकलन के लिए शोधकर्ता द्वारा निर्मित स्वनिर्मित प्रश्नावली का उपयोग किया गया। संकलित आँकड़ों के विश्लेषण हेतु माध्य (Mean), मानक विचलन (Standard Deviation) तथा t-परीक्षण (t-test) जैसे सांख्यिकीय उपकरणों का प्रयोग किया गया, जिससे पुरुष एवं महिला विद्यार्थियों की जनसंख्या शिक्षा, पर्यावरण शिक्षा तथा नैतिक मूल्यों के प्रति जागरूकता के स्तर में विद्यमान अंतर का परीक्षण किया जा सके।

4. आँकड़ों का विश्लेषण एवं व्याख्या

किसी भी शोध अध्ययन में संकलित आँकड़ों का विश्लेषण एवं व्याख्या अत्यंत महत्वपूर्ण चरण होता है, क्योंकि इसी के माध्यम से शोध समस्या से संबंधित निष्कर्ष प्राप्त किए जाते हैं। प्रस्तुत अध्ययन का उद्देश्य सीतापुर जनपद के स्नातक स्तर के पुरुष एवं महिला विद्यार्थियों में जनसंख्या शिक्षा, पर्यावरण शिक्षा तथा नैतिक मूल्यों के प्रति जागरूकता का तुलनात्मक अध्ययन करना है। इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु शोधकर्ता द्वारा संकलित आँकड़ों का सांख्यिकीय विश्लेषण किया गया। अध्ययन में प्राप्त आँकड़ों को व्यवस्थित रूप से वर्गीकृत एवं सारणीकृत किया गया तथा उनके विश्लेषण के लिए माध्य (Mean), मानक विचलन (Standard Deviation) एवं स्वतंत्र प्रतिदर्श t-परीक्षण (Independent Samples t-test) का प्रयोग किया गया। माध्य एवं मानक विचलन के माध्यम से पुरुष एवं महिला विद्यार्थियों की जागरूकता के स्तर का आकलन किया गया, जबकि t-परीक्षण द्वारा दोनों समूहों के मध्य विद्यमान अंतर की सांख्यिकीय सार्थकता का परीक्षण किया गया। प्रस्तुत अध्याय में अध्ययन के उद्देश्यों एवं परिकल्पनाओं के अनुसार प्राप्त आँकड़ों का क्रमबद्ध विश्लेषण एवं उनकी व्याख्या प्रस्तुत की गई है।

1. **सीतापुर जनपद के स्नातक स्तर के पुरुष एवं महिला विद्यार्थियों की जनसंख्या शिक्षा के प्रति जागरूकता में कोई सार्थक अंतर नहीं है।**

तालिका संख्या–1

समूह	संख्या (N)	माध्यमान (Mean)	मानक विचलन (SD)	मानक त्रुटि (SE)	t-मूल्य	df	p-मूल्य
पुरुष विद्यार्थी	200	72.45	8.52	0.602	2.41	398	0.001
महिला विद्यार्थी	200	74.63	9.41	0.665			

व्याख्या- उपरोक्त तालिका के आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि सीतापुर जनपद के स्नातक स्तर के पुरुष विद्यार्थियों का जनसंख्या शिक्षा के प्रति जागरूकता का माध्यमान 72.45 तथा मानक विचलन 8.52 है, जबकि महिला विद्यार्थियों का माध्यमान 74.63 तथा मानक विचलन 9.41 है। इससे ज्ञात होता है कि महिला विद्यार्थियों में जनसंख्या शिक्षा के प्रति जागरूकता का स्तर पुरुष विद्यार्थियों की अपेक्षा अधिक है।

दोनों समूहों के माध्यांतर की सार्थकता की जांच हेतु t-परीक्षण का प्रयोग किया गया। प्राप्त t-मूल्य 2.41 तथा p-मूल्य 0.001 है, जो 0.05 के स्तर से कम है। अतः पुरुष एवं महिला विद्यार्थियों की जनसंख्या शिक्षा के प्रति जागरूकता में पाया गया अंतर सांख्यिकीय रूप से सार्थक है।

इस प्रकार प्रस्तुत शून्य परिकल्पना, *"सीतापुर जनपद के स्नातक स्तर के पुरुष एवं महिला विद्यार्थियों की जनसंख्या शिक्षा के प्रति जागरूकता में कोई सार्थक अंतर नहीं है"*, अस्वीकृत (Rejected) की जाती है। निष्कर्षतः यह कहा जा सकता है कि सीतापुर जनपद के स्नातक स्तर के पुरुष एवं महिला विद्यार्थियों की जनसंख्या शिक्षा के प्रति जागरूकता में सार्थक अंतर विद्यमान है तथा महिला विद्यार्थियों की जागरूकता पुरुष विद्यार्थियों की अपेक्षा अधिक पाई गई।

2. **सीतापुर जनपद के स्नातक स्तर के पुरुष एवं महिला विद्यार्थियों की पर्यावरण शिक्षा के प्रति जागरूकता में कोई सार्थक अंतर नहीं है।**

तालिका संख्या–2

समूह	संख्या (N)	माध्यमान (Mean)	मानक विचलन (SD)	मानक त्रुटि (SE)	t-मूल्य	df	p-मूल्य
पुरुष विद्यार्थी	200	75.84	7.92	0.560	3.18	398	0.002
महिला विद्यार्थी	200	78.46	8.54	0.604			

व्याख्या- उपरोक्त तालिका के आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि सीतापुर जनपद के स्नातक स्तर के पुरुष विद्यार्थियों का पर्यावरण शिक्षा के प्रति जागरूकता का माध्यमान 75.84 तथा मानक विचलन 7.92 है, जबकि महिला विद्यार्थियों का माध्यमान 78.46 तथा मानक विचलन 8.54 है। इससे ज्ञात होता है कि महिला विद्यार्थियों में पर्यावरण शिक्षा के प्रति जागरूकता का स्तर पुरुष विद्यार्थियों की अपेक्षा अधिक है।

दोनों समूहों के माध्यांतर की सार्थकता की जांच हेतु t-परीक्षण का प्रयोग किया गया। प्राप्त t-मूल्य 3.18 तथा p-मूल्य 0.002 है, जो 0.05 एवं 0.01 दोनों स्तरों से कम है। अतः पुरुष एवं महिला विद्यार्थियों की पर्यावरण शिक्षा के प्रति जागरूकता में पाया गया अंतर सांख्यिकीय रूप से सार्थक है।

इस प्रकार प्रस्तुत शून्य परिकल्पना, *"सीतापुर जनपद के स्नातक स्तर के पुरुष एवं महिला विद्यार्थियों की पर्यावरण शिक्षा के प्रति जागरूकता में कोई सार्थक अंतर नहीं है"*, अस्वीकृत (Rejected) की जाती है। निष्कर्षतः यह कहा जा सकता है कि सीतापुर जनपद के स्नातक स्तर के पुरुष एवं महिला विद्यार्थियों की पर्यावरण शिक्षा के प्रति जागरूकता में सार्थक अंतर विद्यमान है तथा महिला विद्यार्थियों की पर्यावरण शिक्षा के प्रति जागरूकता पुरुष विद्यार्थियों की अपेक्षा अधिक पाई गई।

3. **सीतापुर जनपद के स्नातक स्तर के पुरुष एवं महिला विद्यार्थियों की नैतिक मूल्यों के प्रति जागरूकता में कोई सार्थक अंतर नहीं है।**

तालिका संख्या–3

समूह	संख्या (N)	माध्यमान (Mean)	मानक विचलन (SD)	मानक त्रुटि (SE)	t-मूल्य	df	p-मूल्य
पुरुष विद्यार्थी	200	76.28	8.15	0.576	**2.87**	**398**	**0.004**
महिला विद्यार्थी	200	78.67	8.48	0.600			

व्याख्या-उपरोक्त तालिका के आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि सीतापुर जनपद के स्नातक स्तर के पुरुष विद्यार्थियों का नैतिक मूल्यों के प्रति जागरूकता का माध्यमान 76.28 तथा मानक विचलन 8.15 है, जबकि महिला विद्यार्थियों का माध्यमान 78.67 तथा मानक विचलन 8.48 है। इससे ज्ञात होता है कि महिला विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों के प्रति जागरूकता का स्तर पुरुष विद्यार्थियों की अपेक्षा अधिक है। दोनों समूहों के माध्यांतर की सार्थकता की जांच हेतु t-परीक्षण का प्रयोग किया गया। प्राप्त t-मूल्य 2.87 तथा p-मूल्य 0.004 है, जो 0.05 तथा 0.01 दोनों स्तरों से कम है। अतः पुरुष एवं महिला विद्यार्थियों की नैतिक मूल्यों के प्रति जागरूकता में पाया गया अंतर सांख्यिकीय रूप से सार्थक है। इस प्रकार प्रस्तुत शून्य परिकल्पना, *"सीतापुर जनपद*

के स्नातक स्तर के पुरुष एवं महिला विद्यार्थियों की नैतिक मूल्यों के प्रति जागरूकता में कोई सार्थक अंतर नहीं है", अस्वीकृत (Rejected) की जाती है। निष्कर्षतः यह कहा जा सकता है कि सीतापुर जनपद के स्नातक स्तर के पुरुष एवं महिला विद्यार्थियों की नैतिक मूल्यों के प्रति जागरूकता में सार्थक अंतर विद्यमान है तथा महिला विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों के प्रति जागरूकता पुरुष विद्यार्थियों की अपेक्षा अधिक पाई गई।

5. विवेचना

प्रस्तुत अध्ययन का उद्देश्य सीतापुर जनपद के स्नातक स्तर के पुरुष एवं महिला विद्यार्थियों में जनसंख्या शिक्षा, पर्यावरण शिक्षा तथा नैतिक मूल्यों के प्रति जागरूकता का तुलनात्मक अध्ययन करना था। अध्ययन के निष्कर्षों से ज्ञात हुआ कि तीनों आयामों में महिला विद्यार्थियों का औसत प्राप्तांक पुरुष विद्यार्थियों की अपेक्षा अधिक था। जनसंख्या शिक्षा के संदर्भ में महिला विद्यार्थियों का माध्यमान 74.63 तथा पुरुष विद्यार्थियों का 72.45 पाया गया। इसी प्रकार पर्यावरण शिक्षा में महिला विद्यार्थियों का माध्यमान 78.46 तथा पुरुष विद्यार्थियों का 75.84 था। नैतिक मूल्यों के प्रति जागरूकता में भी महिला विद्यार्थियों का माध्यमान 78.67 तथा पुरुष विद्यार्थियों का 76.28 प्राप्त हुआ। t-परीक्षण के परिणामों से तीनों ही आयामों में प्राप्त अंतर सांख्यिकीय रूप से सार्थक पाया गया। ये निष्कर्ष पूर्ववर्ती अध्ययनों के अनुरूप हैं, जिनमें महिला विद्यार्थियों को पर्यावरणीय संवेदनशीलता, सामाजिक उत्तरदायित्व तथा नैतिक चेतना के संदर्भ में अपेक्षाकृत अधिक जागरूक पाया गया है। महिलाओं की पारिवारिक एवं सामाजिक भूमिकाएँ उन्हें स्वास्थ्य, परिवार कल्याण, पर्यावरण संरक्षण तथा नैतिक व्यवहार से संबंधित विषयों के प्रति अधिक संवेदनशील बनाती हैं। अध्ययन यह संकेत देता है कि उच्च शिक्षा संस्थानों में जनसंख्या शिक्षा, पर्यावरण शिक्षा तथा मूल्य शिक्षा के कार्यक्रमों को और अधिक प्रभावी बनाने की आवश्यकता है, जिससे दोनों वर्गों के विद्यार्थियों में समान रूप से जागरूकता विकसित की जा सके।

6. निष्कर्ष

प्रस्तुत अध्ययन से यह निष्कर्ष निकलता है कि सीतापुर जनपद के स्नातक स्तर के पुरुष एवं महिला विद्यार्थियों में जनसंख्या शिक्षा, पर्यावरण शिक्षा तथा नैतिक मूल्यों के प्रति जागरूकता का स्तर सामान्यतः संतोषजनक है, किंतु दोनों समूहों के मध्य सार्थक अंतर विद्यमान है। अध्ययन में यह पाया गया कि महिला विद्यार्थियों की जागरूकता जनसंख्या शिक्षा, पर्यावरण शिक्षा तथा नैतिक मूल्यों के तीनों आयामों में पुरुष विद्यार्थियों की तुलना में अधिक है। सांख्यिकीय विश्लेषण द्वारा प्राप्त t-मूल्य एवं p-मूल्य इस अंतर की सार्थकता को प्रमाणित करते हैं, जिसके परिणामस्वरूप सभी शून्य परिकल्पनाएँ अस्वीकृत हुईं। अध्ययन से यह स्पष्ट होता है कि जागरूकता का स्तर केवल शैक्षिक अवसरों पर ही निर्भर नहीं करता, बल्कि सामाजिक परिवेश, पारिवारिक संस्कार, व्यक्तिगत अनुभव तथा लैंगिक भूमिकाएँ भी इसमें महत्वपूर्ण योगदान देती हैं। महिला विद्यार्थियों में सामाजिक एवं नैतिक उत्तरदायित्व की भावना अपेक्षाकृत अधिक विकसित होने के कारण उनकी जागरूकता का स्तर भी उच्च पाया गया। अतः शिक्षा संस्थानों को चाहिए कि वे जनसंख्या शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण तथा नैतिक मूल्यों से संबंधित गतिविधियों, कार्यशालाओं एवं जागरूकता कार्यक्रमों का नियमित आयोजन करें। इससे विद्यार्थियों में उत्तरदायी नागरिकता, पर्यावरणीय चेतना तथा नैतिक आचरण का विकास होगा। अध्ययन के निष्कर्ष शिक्षकों, शिक्षाविदों एवं नीति-निर्माताओं के लिए उपयोगी सिद्ध हो सकते हैं तथा भविष्य के शोधों के लिए आधार प्रदान करते हैं।

7. संदर्भ सूची

- अबलाक, एस., एवं येशिलतास, ई. (2020). माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों में पर्यावरण शिक्षा की अवधारणाओं के प्रति जागरूकता का अध्ययन। *रिव्यू ऑफ इंटरनेशनल जियोग्राफिकल एजुकेशन ऑनलाइन, 10*(5), 496–510।
- अहमद, एस., एवं खान, एम. ए. (2022). महाविद्यालयी विद्यार्थियों में पर्यावरण शिक्षा एवं पर्यावरणीय व्यवहार का अध्ययन। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च एंड डेवलपमेंट, 11*(2), 45–53।

- चटर्जी, एस. (2007). पर्यावरण शिक्षा एवं सतत विकास: विद्यार्थियों की जागरूकता का अध्ययन। *जर्नल ऑफ एनवायरनमेंटल एजुकेशन, 38*(4), 21–28।
- गुप्ता, ए. (2015). ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों की पर्यावरणीय जागरूकता का तुलनात्मक अध्ययन। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च इन एजुकेशन, 4*(2), 15–22।
- कलाईसी अलास, एम., एवं कोरुतुर्क, एम. (2024). विद्यार्थियों में मूल्य शिक्षा एवं पर्यावरणीय जागरूकता के मध्य संबंध। *सस्टेनेबिलिटी, 16*(21), 9302।
- कुमार, आर. (2020). स्नातक विद्यार्थियों में जनसंख्या शिक्षा के प्रति जागरूकता का अध्ययन। *इंडियन जर्नल ऑफ एजुकेशनल स्टडीज, 8*(1), 55–63।
- मौर्य, पी. (2024). उच्च शिक्षा के विद्यार्थियों में नैतिक मूल्य एवं सामाजिक उत्तरदायित्व। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सोशल साइंसेज एंड एजुकेशन रिसर्च, 12*(1), 78–86।
- रानी, एस. (2021). स्नातक विद्यार्थियों में जनसंख्या शिक्षा के प्रति जागरूकता का अध्ययन। *जर्नल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च एंड प्रैक्टिस, 9*(3), 102–109।
- शर्मा, पी. (2018). महाविद्यालयी विद्यार्थियों में पर्यावरणीय जागरूकता: एक लैंगिक अध्ययन। *इंडियन जर्नल ऑफ एनवायरनमेंटल एजुकेशन, 14*(2), 34–41।
- शुक्ला, ए., एवं पाण्डेय, वी. (2023). स्नातक विद्यार्थियों में जनसंख्या शिक्षा एवं पर्यावरणीय जागरूकता का तुलनात्मक अध्ययन। *एजुकेशनल क्वेस्ट, 14*(1), 67–75।
- सिंह, आर., एवं यादव, एस. (2019). स्नातक विद्यार्थियों के नैतिक मूल्यों का तुलनात्मक अध्ययन। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च इन सोशल साइंसेज, 9*(4), 120–128।
- तिवारी, एन. (2022). उच्च माध्यमिक एवं स्नातक विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों के प्रति जागरूकता का अध्ययन। *जर्नल ऑफ एजुकेशनल साइकोलॉजी एंड रिसर्च, 10*(2), 88–96।
- यूनेस्को (UNESCO). (2023). *शिक्षा में और शिक्षा के माध्यम से लैंगिक समानता*। यूनेस्को।
- वर्मा, एस., एवं मिश्रा, के. (2020). पुरुष एवं महिला विद्यार्थियों में पर्यावरणीय चेतना का तुलनात्मक अध्ययन। *जर्नल ऑफ एजुकेशन एंड डेवलपमेंट, 7*(3), 41–49।
- विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO). (2023). *लिंग एवं स्वास्थ्य*। विश्व स्वास्थ्य संगठन।

Cite this Article:

डॉ० अनिल कुमार[1] एवं विश्वराज सिंह[2], "सीतापुर जनपद के स्नातक स्तर के पुरुष एवं महिला विद्यार्थियों में जनसंख्या शिक्षा, पर्यावरण शिक्षा तथा नैतिक मूल्यों के प्रति जागरूकता का तुलनात्मक अध्ययन" Shiksha Samvad International Open Access Peer-Reviewed & Refereed Journal of Multidisciplinary Research, ISSN: 2584-0983 (Online), Volume 03, Issue 04, Pp.99-106, June-2026. Journal URL: https://shikshasamvad.com/

This is an Open Access Journal / article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution License CC BY-NC-ND 3.0) which permits unrestricted use, distribution, and reproduction in any medium, provided the original work is properly cited. All rights reserved.

CERTIFICATE

of Publication

This Certificate is proudly presented to

डॉ० अनिल कुमार[1] एवं विश्वराज सिंह[2]

For publication of research paper title

सीतापुर जनपद के स्नातक स्तर के पुरुष एवं महिला विद्यार्थियों में जनसंख्या शिक्षा, पर्यावरण शिक्षा तथा नैतिक मूल्यों के प्रति जागरूकता का तुलनात्मक अध्ययन

Published in 'Shiksha Samvad' Peer-Reviewed and Refereed Research Journal and E-ISSN: 2584-0983(Online), Volume-03, Issue-04, Month June 2026.

Dr. Neeraj Yadav
Editor-In-Chief

Dr. Lohans Kumar Kalyani
Executive-chief- Editor

Note: This E-Certificate is valid with published paper and the paper must be available online at: https://shikshasamvad.com/

DOI:- https://doi.org/10.64880/shikshasamvad.v3i4.11